◉ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1 पर्यावरण प्रदूषण क्या है ? (What is environmental pollution ?)

उत्तर– पर्यावरण में भौतिक और जैविक दोनों तत्त्व होते हैं। पहाड़, पठार, नदी, वन आदि पर्यावरण के भौतिक घटक हैं, जबकि मानव, पशु-पक्षी, आदि पर्यावरण के जैविक घटक हैं। जब तक भौतिक और जैविक घटकों के बीच संतुलन बना रहता है पर्यावरण भी संतुलित रहता है। परन्तु जब प्राकृतिक अथवा मानवीय हस्तक्षेप के कारण दोनों में स्थापित संतुलन खराब होने लगता है तो अनेक प्रकार की पर्यावरणीय विसंगतियाँ सामने आती हैं जिनमें पर्यावरण या पारिवेशिक प्रदूषण प्रमुख हैं। इस प्रकार, पारिवेशिक प्रदूषण वह स्थिति है जब पर्यावरण में अवांछित तत्त्वों का प्रवेश तथा पर्यावरण से वांछित तत्त्वों का निष्कासन होता है तथा पर्यावरण के भौतिक एवं जैविक घटकों के बीच संतुलन बिगड़ जाता है।

2 वायु प्रदूषण क्या है ? इसका नियंत्रण किस प्रकार किया जा सकता है ?
What is air pollution ? How can it be controlled ?

उत्तर– वायु प्रदूषण का घातक प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है। वायु प्रदूषण से तात्पर्य वायु में मिश्रित विषाक्त पदार्थों से है। जब वायु में कई प्रकार के विषाक्त तत्व, जैसे– सल्फर ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड आदि का मिश्रण हो जाता है तो यह व्यक्ति के शरीर में साँस के माध्यम से प्रवेश करता है और अपना घातक प्रभाव छोड़ते हैं। इन प्रभावों को Air Pollution Syndrome कहते हैं। इसके लक्षण

Scanned with CamScanner

के रूप में आँखों में जलन, विषाद, सिर दर्द चिड़चिड़ापन आदि विकसित हो जाते हैं। आधुनिक चिकित्सकों का मानना है कि ज्यादातर कैंसर की बीमारी इसी के प्रभाव से होती है। इससे व्यक्ति की कार्य क्षमता में कमी आ जाती है। इसका न सिर्फ शारीरिक प्रभाव व्यक्ति पर होता है। बल्कि सामाजिक कुप्रभाव भी कम नहीं होता। सामाजिक संबंधों में कमी, आकर्षण की क्षमता में कमी तथा सामाजिक कार्यों में शिथिलता के लक्षण भी विकसित होते हैं।

वायु प्रदूषण के घातक प्रभावों से बचने के लिए इस पर नियंत्रण आवश्यक है। इसके लिए अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाने की आवश्यकता है। उद्योगों से निकलनेवाले विषैले गैस को रोकने का प्रबंध करना एवं विभिन्न प्रकार के वाहनों से निकलने वाले धुँआ को कम करने का प्रयास करने से वायु प्रदूषण में कमी लायी जा सकती है।

3 शोर (ध्वनि) क्या है ? मनुष्य के व्यवहार पर शोर के प्रभावों की व्याख्या करें।
What is noise ? Discuss the effects of noise on human behaviour.

अथवा (Or), शोर प्रदूषण से व्यक्ति के व्यवहार कैसे प्रभावित होते हैं।
How does noise pollution affect the behaviour of a person ?

उत्तर- कोई भी ध्वनि जो खीझ या चिड़चिड़ाहट उत्पन्न करे और अप्रिय हो, उसे शोर कहते हैं। मनुष्य के व्यवहार पर शोर के प्रभाव निम्नांकित हैं–

(i) शोर चाहे तीव्र हो या धीमा हो, वह समग्र निष्पादन को तब तक प्रभावित नहीं करता है जब तक कि संपादित किए जाने वाला कार्य सरल हो। जैसे– संख्याओं का योग। ऐसी स्थितियों में व्यक्ति अनुकूलन कर लेता है या शोर का 'आदी' हो जाता है।

(ii) जिस कार्य का निष्पादन किया जा रहा है यदि वह अत्यंत रुचिकर होता है, तब भी शोर की उपस्थिति में निष्पादन प्रभावित नहीं होता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कार्य की प्रकृति व्यक्ति को पूरा ध्यान उसी में लगाने तथा शोर को अनसुना करने में सहायता करती है। यह भी एक प्रकार का अनुकूलन हो सकता है।

(iii) जब शोर कुछ अंतराल के बाद आता है तब उसके संबंध में भविष्यकथन नहीं किया जा सकता, तब वह निरंतर होने वाले शोर की अपेक्षा अधिक बाधाकारी प्रतीत होता है।

(iv) जिस कार्य का निष्पादन किया जा रहा है, जब वह कठिन होता है या उस पर पूर्ण एकाग्रता की आवश्यकता होती है, तब तीव्र भविष्यकथन न करने योग्य तथा नियंत्रित न किया जा सकने वाला शोर निष्पादन स्तर को घटाता है।

(v) जब शोर को सहन करना या बंद कर देना व्यक्ति के नियंत्रण में होता है तब कार्य निष्पादन में त्रुटियों में कमी आती है।

(vi) संवेगात्मक प्रभावों के संदर्भ में, शोर यदि एक विशेष स्तर से अधिक हो तो उसके कारण चिड़चिड़ापन आता है तथा इससे नींद में गड़बड़ी भी उत्पन्न हो सकती है।

Scanned with CamScanner